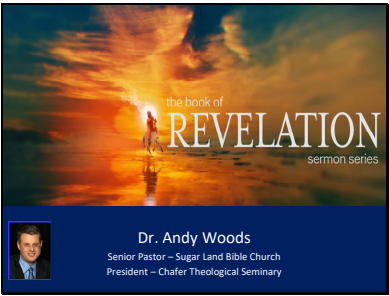


Slide 1



---

---

---

---

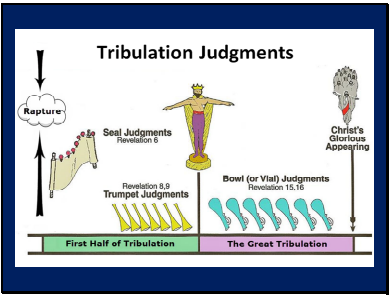
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 3



### 7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets

(Revelation 8-9)



1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

5 Non-Chronological Parenthetical Insertions

Seals (Rev 7) 144,000 JEWS

1 2 3 4 5 6 7

Trumpets (Rev 10-11) No Delay; 2 Witnesses

1 2 3 4 5 6 7 (Rev 12-14) Israel's flight

Bowls (Rev 16:13-16) Armageddon

1 2 3 4 5 6 7 (Rev 17-18) Babylon falls

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

5 Non-Chronological Parenthetical Insertions

1. Rev 7 – 144,000 Jews

2. Rev 10:1-11:13 – Announcement of no more delay and the two witnesses

3. Rev 12-14 – Israel’s flight, two beasts, six scenes of hope

4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon

5. Rev 17:1-19:6 – Babylon’s fall

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

5 Non-Chronological Parenthetical Insertions

1. Rev 7 – 144,000 Jews

2. Rev 10:1-11:13 – Announcement of no more delay and the two witnesses

3. Rev 12-14 – Israel’s flight, two beasts, six scenes of hope

4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon

5. Rev 17:1-19:6 – Babylon’s fall

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7



2. Revelation 10:1–11:13

A. Rev 10 – Announcement of no more delay

B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles

C. Rev 11:3-13 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 8



2. Revelation 10:1–11:13

A. Rev 10 – Announcement of no more delay

B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles

C. Rev 11:3-13 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 9



2. Revelation 10:1–11:13

A. Rev 10 – Announcement of no more delay

B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles

C. Rev 11:3-13 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 10



### 2. Revelation 10:1-11:13



A. Rev 10 – Announcement of no more delay

B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles

C. Rev 11:3-13 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11



### The Two Witnesses

(Revelation 11:3-13)



I. Their Ministry (11:3-6)

II. Their Martyrdom (11:7-10)

III. Their Revival (11:11-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12



### The Two Witnesses

(Revelation 11:3-13)



I. Their Ministry (11:3-6)

II. Their Martyrdom (11:7-10)

III. Their Revival (11:11-13)

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 16



---

---

---

---

---

---

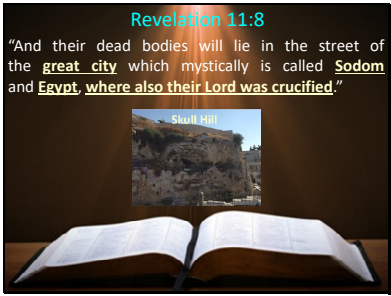
---

---

---

---

Slide 17



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18



I. Their Ministry  
(Revelation 11:3-6)



- A. Its Duration (11:3)
- B. Its Empowerment (11:4)
- C. Its Activity (11:5-6)
  - 1. Fire (11:5)
  - 2. Drought (11:6a)
  - 3. Waters (11:6b)
  - 4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

ISRAEL'S FOUR TEMPLES

1. Solomon's pre exilic temple (Kings and Chronicles)

2. Zerubbabel's post exilic temple (Ezra 1-6; John 2:20)

3. Antichrist's temple (Dan 9:27; Matt 24:15; 2 Thess 2:4; Rev 11:1-2)

4. Millennial temple (Ezek 40-48)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

ISRAEL'S FOUR TEMPLES

1. Solomon's pre exilic temple (Kings and Chronicles)

2. Zerubbabel's post exilic temple (Ezra 1-6; John 2:20)

3. Antichrist's temple (Dan 9:27; Matt 24:15; 2 Thess 2:4; Rev 11:1-2)

4. Millennial temple (Ezek 40-48)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

Zechariah 4



www.trackbibleprophecy.org

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 22



**David Hocking**  
David Hocking, *The Book of Revelation: Understanding the Future* (Tustin, CA: Hope For Today Publications, 2014), 379.

"In Zechariah's vision and prophecy there was only one lampstand, whereas there are two lampstands in Revelation 11:14. This distinction reveals that we are not to make the two passages identical, but rather to see that the one illustrates the other."

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23



**I. Their Ministry**  
(Revelation 11:3-6)



A. Its Duration (11:3)

B. Its Empowerment (11:4)

**C. Its Activity (11:5-6)**

1. Fire (11:5)

2. Drought (11:6a)

3. Waters (11:6b)

4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24



**I. Their Ministry**  
(Revelation 11:3-6)



A. Its Duration (11:3)

B. Its Empowerment (11:4)

**C. Its Activity (11:5-6)**

1. **Fire (11:5)**

2. Drought (11:6a)

3. Waters (11:6b)

4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25



I. Their Ministry

(Revelation 11:3-6)



A. Its Duration (11:3)

B. Its Empowerment (11:4)

C. Its Activity (11:5-6)

1. Fire (11:5)

2. Drought (11:6a)

3. Waters (11:6b)

4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26



I. Their Ministry

(Revelation 11:3-6)



A. Its Duration (11:3)

B. Its Empowerment (11:4)

C. Its Activity (11:5-6)

1. Fire (11:5)

2. Drought (11:6a)

3. Waters (11:6b)

4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27



I. Their Ministry

(Revelation 11:3-6)



A. Its Duration (11:3)

B. Its Empowerment (11:4)

C. Its Activity (11:5-6)

1. Fire (11:5)

2. Drought (11:6a)

3. Waters (11:6b)

4. Plagues (11:6c)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 28



### The Two Witnesses

(Revelation 11:3-13)

I. Their Ministry (11:3-6)

**II. Their Martyrdom (11:7-10)**

III. Their Revival (11:11-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 29



### II. Their Martyrdom

(Revelation 11:7-10)

A. Its Cause (11:7)

B. Its Place (11:8)

C. Its Contempt (11:9)

D. Its Celebration (11:10)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 30



### II. Their Martyrdom

(Revelation 11:7-10)

**A. Its Cause (11:7)**

B. Its Place (11:8)

C. Its Contempt (11:9)

D. Its Celebration (11:10)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 31

1<sup>st</sup> Six Seals (Revelation 6)

1. **6:1-2 – Advent of antichrist**

2. 6:3-4 – War

3. 6:5-6 – Famine

4. 6:7-8 – Death

5. 6:9-11 – Martyrdoms

6. 6:12-17 – Cosmic disturbances



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 32

DAN 9:27 OVERVIEW OF TRIBULATION PERIOD

Covenant

↓

3 ½ years

Antichrist desecrates Temple and ends sacrifices

↓

Tribulation (mid-point)

Christ's 2nd Coming

↓

3 ½ years

← 7 years →

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33



II. Their Martyrdom

(Revelation 11:7-10)



A. Its Cause (11:7)

B. **Its Place (11:8)**

C. Its Contempt (11:9)

D. Its Celebration (11:10)

---

---

---

---

---

---

---

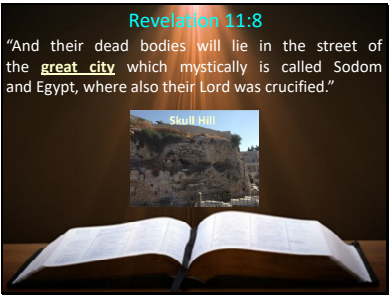
---

Slide 34

Revelation 11:8

"And their dead bodies will lie in the street of the great city which mystically is called Sodom and Egypt, where also their Lord was crucified."

Skull Hill



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

Literal Geography in Revelation			
Asia	1:4	Philadelphia	3:7
Ephesus	2:1	Laodicea	3:14
Smyrna	2:8	Euphrates	9:14;16:12
Pergamum	2:12	Jerusalem	11:8
Thyatira	2:18	Armageddon	16:16
Sardis	3:1	Jerusalem	20:9

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

Revelation 11:8

"And their dead bodies will lie in the street of the great city which mystically is called Sodom and Egypt, where also their Lord was crucified."

Skull Hill



---

---

---

---

---

---

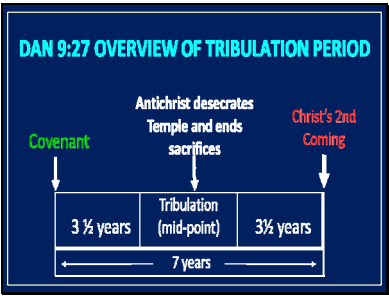
---

---

---

---

Slide 37



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

Israel's Two Regatherings	
THE PRESENT (FIRST) REGATHERING	THE PERMANENT (SECOND) REGATHERING
Return to part of the land	Return to all the land
Return in unbelief	Return in faith
Restored to the land only	Restored to the land and the Lord
Sets the stage for Tribulation (discipline)	Sets the stage for Millennium (blessing)
Adapted from: Price, <i>Jerusalem In Prophecy</i> , 219	

---

---

---

---

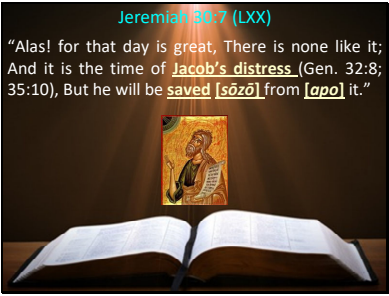
---

---

---

---

Slide 39



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 40



### II. Their Martyrdom

(Revelation 11:7-10)

- A. Its Cause (11:7)
- B. Its Place (11:8)
- C. Its Contempt (11:9)
- D. Its Celebration (11:10)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 41

PROPHETIC CHESS BOARD IS BEING SET UP



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 42



### II. Their Martyrdom

(Revelation 11:7-10)

- A. Its Cause (11:7)
- B. Its Place (11:8)
- C. Its Contempt (11:9)
- D. Its Celebration (11:10)

---

---

---

---


---

---


---

---

Slide 43



**Thomas Ice**  
Thomas Ice, "Kept From the Hour," online:  
www.pre-trib.org, accessed 4 September 2014, 2.



"This phrase 'earth dwellers' is used eleven times in nine verses in Revelation (3:10; 6:10; 8:13; 11:10 2xs; 13:8, 12, 14 2xs; 14:6; 17:8). As you examine each individual use, except 3:10, you will see that all refer to a special class of stubborn sinners who are set in their rebellion against the God of heaven. You will also find that the phrase is *only* used to refer to those during the tribulation period. Therefore, since the future hour spoken of in 3:10 is set in contrast with the present set of believers in the church age, and the future 'earth dwellers' will be active during the time period in which believers are said to be kept from, it is clear that John speaks of the time or hour of the tribulation. This is why 3:10 is a clear promise that Christ will keep believers from the time of the seven year tribulation."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44



**The Two Witnesses**  
(Revelation 11:3-13)



- I. Their Ministry (11:3-6)
- II. Their Martyrdom (11:7-10)
- III. Their Revival (11:11-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45



**III. Their Revival**  
(Revelation 11:11-13)



- A. Their Resuscitation (11:11)
- B. Their Rapture (11:12)
- C. Revival's Result (11:13)
  - 1. Earthquake (11:13a)
  - 2. City's One-Tenth (11:13b)
  - 3. 7000 Killed (11:13c)
  - 4. Holy Fear (11:13d)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46



### III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)

- A. Their Resuscitation (11:11)
- B. Their Rapture (11:12)
- C. Revival's Result (11:13)
  - 1. Earthquake (11:13a)
  - 2. City's One-Tenth (11:13b)
  - 3. 7000 Killed (11:13c)
  - 4. Holy Fear (11:13d)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 47



### III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)

- A. Their Resuscitation (11:11)
- B. **Their Rapture (11:12)**
- C. Revival's Result (11:13)
  - 1. Earthquake (11:13a)
  - 2. City's One-Tenth (11:13b)
  - 3. 7000 Killed (11:13c)
  - 4. Holy Fear (11:13d)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 48

### Revelation 4:1

"After these things I looked, and behold, a door standing open in heaven, and the first voice which I had heard, like the sound of a trumpet speaking with me, said, 'Come up here, and I will show you what must take place after these things.'"



---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 49

Exemption from Death  
(1 Cor 15:54-56)

- Enoch (Gen 5)
- Elijah (2 Kings 2)
- Christ (Acts 1:11; Rev 12:5)
- Philip (Acts 8:39)
- Paul (2 Cor 12:2, 4)
- John (Rev 4:1-2)
- Two witnesses (Rev 11)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 50

Jeremiah 30:7 (LXX)

“Alas! for that day is great, There is none like it;  
And it is the time of Jacob’s distress (Gen. 32:8;  
35:10), But he will be saved [*sōzō*] from [*apo*] it.”



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 51

Daniel 9:24

Seventy weeks have been decreed for your people  
and your holy city, to finish the transgression, to  
make an end of sin, to make atonement for  
iniquity, to bring in everlasting righteousness, to  
seal up vision and prophecy and to anoint the most  
holy *place*.



---

---

---

---

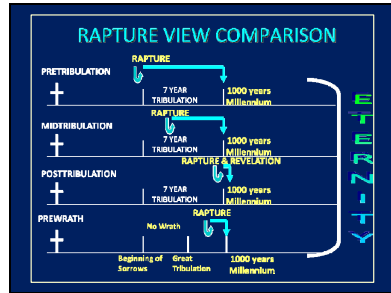
---

---

---

---

Slide 52



Slide 53



## III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)



- A. Their Resuscitation (11:11)
- B. Their Rapture (11:12)
- C. Revival's Result (11:13)
  1. Earthquake (11:13a)
  2. City's One-Tenth (11:13b)
  3. 7000 Killed (11:13c)
  4. Holy Fear (11:13d)

Slide 54



## III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)



- A. Their Resuscitation (11:11)
- B. Their Rapture (11:12)
- C. **Revival's Result (11:13)**
  1. Earthquake (11:13a)
  2. City's One-Tenth (11:13b)
  3. 7000 Killed (11:13c)
  4. Holy Fear (11:13d)

Slide 55

Times of Israel 14 July 2018

After tremors, experts warn a huge quake is the greatest threat facing Israel

“Scientists say thousands could die because Israel, which sits on a major fault line, has ignored warnings to strengthen homes and schools. After a series of minor tremors rattled northern Israel over the last two weeks, experts warned that the country is negligently unprepared for a major earthquake that would likely kill thousands of people, including many children. ‘The threat of an earthquake, is in my eyes, the greatest threat facing the state of Israel,’ geologist Ariel Heimann told Hadashot news on Friday... ‘It is definitely a greater threat than the Qassam [rockets] fired ...’”

<https://www.timesofisrael.com/after-tremors-experts-warn-a-huge-quake-is-the-greatest-threat-facing-israel/>14 July 2018.

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

Times of Israel 14 July 2018

After tremors, experts warn a huge quake is the greatest threat facing Israel

“... from Gaza, and it is a far greater danger than the Iranian threat.’ Israel sits on the Syrian-African rift, a tear in the earth’s crust running the length of the border separating Israel and Jordan, and is part of the Great Rift Valley, which extends from northern Syria to Mozambique. ‘If, God forbid, we have an earthquake like this, it will leave thousands dead and hundreds of thousands of people will have to leave their homes. Houses will be destroyed, there will be massive economic damage that will set the country back dozens of years,’ Heimann warned.”

<https://www.timesofisrael.com/after-tremors-experts-warn-a-huge-quake-is-the-greatest-threat-facing-israel/>14 July 2018.

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57



III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)



A. Their Resuscitation (11:11)

B. Their Rapture (11:12)

C. Revival’s Result (11:13)

1. Earthquake (11:13a)

2. City’s One-Tenth (11:13b)

3. 7000 Killed (11:13c)

4. Holy Fear (11:13d)

---

---

---

---

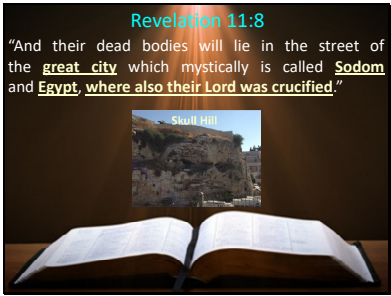
---

---

---

---

Slide 58



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59



### III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)



A. Their Resuscitation (11:11)

B. Their Rapture (11:12)

C. **Revival's Result (11:13)**

1. Earthquake (11:13a)
2. City's One-Tenth (11:13b)
3. 7000 Killed (11:13c)
4. Holy Fear (11:13d)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60



### III. Their Revival

(Revelation 11:11-13)



A. Their Resuscitation (11:11)

B. Their Rapture (11:12)

C. **Revival's Result (11:13)**

1. Earthquake (11:13a)
2. City's One-Tenth (11:13b)
3. 7000 Killed (11:13c)
4. Holy Fear (11:13d)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 61


Identity of the Two Witnesses?

1. Symbolic view

2. Moses and Enoch

3. Moses and Elijah like

4. Moses and Elijah literal



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 62


Identity of the Two Witnesses?

1. Symbolic view

2. Moses and Enoch

3. Moses and Elijah like

4. Moses and Elijah literal



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 63


Identity of the Two Witnesses?

1. Symbolic view

2. Moses and Enoch

3. Moses and Elijah like

4. Moses and Elijah literal



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 64

Jeremiah 30:7 (LXX)

"Alas! for that day is great, There is none like it; And it is the time of Jacob's distress (Gen. 32:8; 35:10), But he will be saved [*sōzōi*] from [*apo*] it."



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 65

Daniel 9:24

Seventy weeks have been decreed for your people and your holy city, to finish the transgression, to make an end of sin, to make atonement for iniquity, to bring in everlasting righteousness, to seal up vision and prophecy and to anoint the most holy *place*.



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66


Identity of the Two Witnesses?

1. Symbolic view

2. Moses and Enoch

3. Moses and Elijah like

4. Moses and Elijah literal



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 67


Identity of the Two Witnesses?

1. Symbolic view

2. Moses and Enoch

3. Moses and Elijah like

4. Moses and Elijah literal



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 68

Identity of the Two Witnesses		
Category	Revelation 11	Moses & Elijah
Protection	Rev. 11:5	Num. 16:35; 2 Kgs. 1:10-14
Activities	Rev. 11:6	Exod. 7:12-21; 1 Kgs. 17:1
Duration	Rev. 11:3	Luke 4:25; Jas. 5:17
Rapture	Rev. 11:12	2 Kgs. 2:11

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 69


Identity of the 2 Witnesses: Moses and Elijah

■ Transfiguration (Matt 17:3)

■ Ministries cut short in the OT (2 Kgs 2:11-12; Num 20:12)

■ Future appearance predicted in the OT (Mal 4:5-6; Jude 9)

■ Never fulfilled in the NT (Luke 1:17; John 1:21)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 70

God's Work Through Israel

- Revelation 7 – 144,000 Jews
- Revelation 11 – Two Jewish witnesses
- Revelation 12 – Israel flees
- Revelation 20:9 – Jerusalem in the kingdom
- Revelation 21:12 – 13-Gates of the eternal city



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 71

God's Work Through Israel

- Revelation 7 – 144,000 Jews
- Revelation 11 – Two Jewish witnesses
- Revelation 12 – Israel flees
- Revelation 20:9 – Jerusalem in the kingdom
- Revelation 21:12 – 13-Gates of the eternal city



---

---

---

---

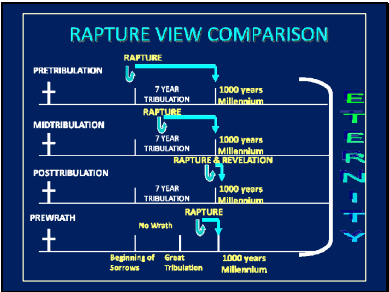
---

---

---

---

Slide 72



---

---

---

---

---

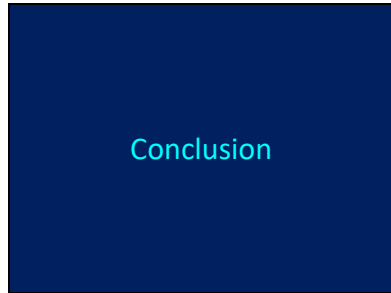
---

---

---



Slide 73



---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 74



### The Two Witnesses

(Revelation 11:3-13)



- I. Their Ministry (11:3-6)
- II. Their Martyrdom (11:7-10)
- III. Their Revival (11:11-13)

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 75



"The LORD bless you and keep you; the LORD make his face shine on you and be gracious to you; the LORD turn his face toward you and give you peace." (NIV)

---

---

---

---

---

---

---

---

Acts 20:28-Be on guard for yourselves and for all the flock, among which **the Holy Spirit has made you overseers**, to shepherd the church of God which He purchased with His own blood.

Rev. 12:14-But the two wings of the great eagle were given to the woman, so that she could fly into the wilderness to her place, where she was nourished for **a time and times and half a time**, from the presence of the serpent.

Jonah 3:5-Then the people of Nineveh believed in God; and they called a fast and put on **sackcloth** from the greatest to the least of them.

“Congress issued a proclamation recommending ‘**a day of publick [sic] humiliation, fasting, and prayer**’ be observed by the ‘English Colonies’ on Thursday, July 20, 1775...In his role as Commander-in-Chief of the Continental Army, General George Washington acknowledged a day of ‘**fasting, humiliation and prayer**’ proclaimed by the Continental Congress to be held on Thursday, May 6, 1779.”  
[https://en.wikipedia.org/wiki/National\\_Day\\_of\\_Prayer](https://en.wikipedia.org/wiki/National_Day_of_Prayer)

#### 4

Ezra 3:12- Yet many of the priests and Levites and heads of fathers’ households, the old men who had seen the first temple, wept with a loud voice when the foundation of this house was laid before their eyes, while many shouted aloud for joy.

Haggai 2:3-Who is left among you who saw this temple in its former glory? And how do you see it now? Does it not seem to you like nothing in comparison?

Ezra 5:1-When **the prophets, Haggai the prophet and Zechariah** the son of Iddo, prophesied to the Jews who were in Judah and Jerusalem in the name of the God of Israel, who was over them.

Zech. 4:10-**For who has despised the day of small things?** But these seven will be glad when they see the plumb line in the hand of Zerubbabel—*these are* the eyes of the LORD which range to and fro throughout the earth.”

Zech. 4:6-Then he said to me, “This is the word of the LORD to Zerubbabel saying, ‘**Not by might nor by power, but by My Spirit,**’ says the LORD of hosts.

Zech. 4:9-The hands of **Zerubbabel have laid the foundation of this house, and his hands will finish it.** Then you will know that the LORD of hosts has sent me to you.

Zech. 4:11-14-<sup>11</sup> Then I said to him, “What are these two olive trees on the right of the lampstand and on its left?” <sup>12</sup> And I answered the second time and said to him, “What are the two olive branches which are beside the two golden pipes, which empty the golden *oil* from themselves?” <sup>13</sup> So he answered me, saying, “Do you not know what these are?” And I said, “No, my lord.” <sup>14</sup> Then he said, “These are the two anointed ones who are standing by the Lord of the whole earth.”

Ps. 133:2-It is like the precious **oil upon the head**, Coming down upon the beard, *Even* Aaron's beard, Coming down upon the edge of his robes.

Isa. 61:1-**The Spirit of the Lord GOD is upon me, Because the LORD has anointed me** To bring good news to the afflicted; He has sent me to bind up the brokenhearted, To proclaim liberty to captives And freedom to prisoners

1 John 2:20-But **you have an anointing from the Holy One**, and you all know.

1 John 2:27-As for you, the **anointing** which you received from Him abides in you, and you have no need for anyone to teach you; but as His **anointing** teaches you about all things, and is true and is not a lie, and just as it has taught you, you abide in Him.

Matt. 5:14-16-<sup>14</sup>“You are the light of the world. A city set on a hill cannot be hidden;<sup>15</sup> nor does *anyone* light a lamp and put it under a basket, but on the lampstand, and it gives light to all who are in the house. <sup>16</sup> Let your light shine before men in such a way that they may see your good works, and glorify your Father who is in heaven.

## **5**

Num. 16:35-Fire also came forth from the LORD and consumed the two hundred and fifty men who were offering the incense.

2 Kgs. 1:10-14-<sup>10</sup> Elijah replied to the captain of fifty, “If I am a man of God, let fire come down from heaven and consume you and your fifty.” Then fire came down from heaven and

consumed him and his fifty. <sup>11</sup> So he again sent to him another captain of fifty with his fifty. And he said to him, “O man of God, thus says the king, ‘Come down quickly.’”<sup>12</sup> Elijah replied to them, “If I am a man of God, let fire come down from heaven and consume you and your fifty.” Then the fire of God came down from heaven and consumed him and his fifty. <sup>13</sup> So he again sent the captain of a third fifty with his fifty. When the third captain of fifty went up, he came and bowed down on his knees before Elijah, and begged him and said to him, “O man of God, please let my life and the lives of these fifty servants of yours be precious in your sight. <sup>14</sup> Behold fire came down from heaven and consumed the first two captains of fifty with their fifties; but now let my life be precious in your sight.

## 6

1 Kgs. 17:1-Now **Elijah** the Tishbite, who was of the settlers of Gilead, said to Ahab, “**As the Lord, the God of Israel lives, before whom I stand, surely there shall be neither dew nor rain these years, except by my word.**”

Luke 4:25-But I say to you in truth, there were many widows in Israel in the days of **Elijah, when the sky was shut up for three years and six months, when a great famine came over all the land**

Jas. 5:17-**Elijah** was a man with a nature like ours, and **he prayed** earnestly that it would not rain, and **it did not rain on the earth for three years and six months.**

Exod. 7:12-21-<sup>12</sup> For each one threw down his staff and they turned into serpents. But Aaron’s staff swallowed up their staffs. <sup>13</sup> Yet Pharaoh’s heart was hardened, and he did not listen to them, as the LORD had said. <sup>14</sup> Then the LORD said to Moses,

“Pharaoh’s heart is stubborn; he refuses to let the people go. <sup>15</sup> Go to Pharaoh in the morning as he is going out to the water, and station yourself to meet him on the bank of the Nile; and you shall take in your hand the staff that was turned into a serpent. <sup>16</sup> You shall say to him, ‘The LORD, the God of the Hebrews, sent me to you, saying, “Let My people go, that they may serve Me in the wilderness. But behold, you have not listened until now.” <sup>17</sup> Thus says the LORD, “**By this you shall know that I am the LORD: behold, I will strike the water that is in the Nile with the staff that is in my hand, and it will be turned to blood.** <sup>18</sup> The fish that are in the Nile will die, and the Nile will become foul, and the Egyptians will find difficulty in drinking water from the Nile.”’” <sup>19</sup> Then the LORD said to Moses, “Say to Aaron, ‘Take your staff and stretch out your hand over the waters of Egypt, over their rivers, over their streams, and over their pools, and over all their reservoirs of water, that they may become blood; and there will be blood throughout all the land of Egypt, both in *vessels of wood* and in *vessels of stone.*’” <sup>20</sup> So Moses and Aaron did even as the LORD had commanded. And he lifted up the staff and struck the water that *was* in the Nile, in the sight of Pharaoh and in the sight of his servants, and all the water that *was* in the Nile was turned to blood. <sup>21</sup> The fish that *were* in the Nile died, and the Nile became foul, so that the Egyptians could not drink water from the Nile. And the blood was through all the land of Egypt.

## 7

“We are immortal until our work on earth is done.”

George Whitefield

[https://www.brainyquote.com/quotes/george\\_whitefield\\_201221](https://www.brainyquote.com/quotes/george_whitefield_201221)

Rev. 6:1-2-Then I saw when the Lamb broke one of the seven seals, and I heard one of the four living creatures saying as with a voice of thunder, “Come.” <sup>2</sup> I looked, and behold, a white horse, and he who sat on it had a bow; and a crown was given to him, and he went out conquering and to conquer.

Rev. 9:1-Then the fifth angel sounded, and I saw a star from heaven which had fallen to the earth; and the key of the **bottomless pit** was given to him.

Rev. 20:1-Then I saw an angel coming down from heaven, holding the key of the **abyss** and a great chain in his hand.

Rev. 20:3-and he threw him into the **abyss**, and shut *it* and sealed *it* over him, so that he would not deceive the nations any longer, until the thousand years were completed; after these things he must be released for a short time.

Rev. 13:4-they worshiped **the dragon because he gave his authority to the beast**; and they worshiped the beast, saying, “Who is like the beast, and who is able to wage war with him?”

2 Thess. 2:3- Let no one in any way deceive you, for *it will not come* unless the apostasy comes first, and **the man of lawlessness** is revealed, the son of destruction.

Rev. 13:18-Here is wisdom. Let him who has understanding calculate the number of the beast, for the number is that of a **man**; and his number is six hundred and sixty-six.

John 17:12-While I was with them, I was keeping them in Your name which You have given Me; and I guarded them and not one of them perished but the **son of perdition**, so that the Scripture would be fulfilled.

2 Thess. 2:3- Let no one in any way deceive you, for *it will not come* unless the apostasy comes first, and the man of lawlessness is revealed, **the son of destruction**.

Erwin Lutzer: “Earnest Pretzsche...introduced him [Hitler] to a psychedelic drug that produced clairvoyant visions and heightened spiritual perceptions. In this way he was empowered to perform the deeds that he believed fate had decreed. Even those who knew Hitler from his early days were well aware of his occult powers. August Kubizek, a friend, said, ‘It was as if another being spoke out of his body.... It was not a case of a speaker carried away by his own words...I felt as though he himself listened with astonishment and emotion to what broke forth from him.’”<sup>1</sup>

## **8**

Gal. 4:24-This is **allegorically speaking**, for these *women* are two covenants: one *proceeding* from Mount Sinai bearing children who are to be slaves; she is Hagar.

Gal. 3:24-Therefore **the Law has become our tutor to lead us to Christ**, so that we may be justified by faith.

## **9**

Rev. 5:9-And they sang a new song, saying, “Worthy are You to take the book and to break its seals; for You were slain, and purchased for God with Your blood *men* from every **tribe and tongue and people and nation**.”

Rev. 10:11-And they said to me, “You must prophesy again concerning many **peoples and nations and tongues and kings**.”

---

<sup>1</sup> Erwin W. Lutzer, *Hitler's Cross: How the Cross Was Used to Promote the Nazi Agenda* (Chicago: Moody, 2016), 83.



Rev. 13:7-It was also given to him to make war with the saints and to overcome them, and authority over every **tribe and people and tongue and nation** was given to him.

Rev. 17:15-And he said to me, “The waters which you saw where the harlot sits, are **peoples and multitudes and nations and tongues**.

Acts 8:2-Some **devout** men **buried** Stephen, and made loud lamentation over him.

1 Sam. 31:8-13-<sup>8</sup> It came about on the next day when the **Philistines** came to strip the slain, that they found **Saul** and his three sons fallen on Mount Gilboa.<sup>9</sup> They cut off his head and stripped off his weapons, and sent *them* throughout the land of the Philistines, to carry the good news to the house of their idols and to the people. <sup>10</sup> They put his weapons in the temple of Ashtaroath, and **they fastened his body to the wall of Beth-shan**. <sup>11</sup> Now when the **inhabitants of Jabesh-gilead** heard what the Philistines had done to Saul, <sup>12</sup> all the **valiant men** rose and walked all night, and took the body of Saul and the bodies of his sons from the wall of Beth-shan, and they came to Jabesh and burned them there. <sup>13</sup> They took their bones and **buried them** under the tamarisk tree at Jabesh, and **fasted seven days**.

## **10**

Matt. 8:29-And they cried out, saying, “What business do we have with each other, Son of God? Have You come here to **torture** us before the time?”

Heb. 11:35-Women received *back* their dead by resurrection; and others were **tortured**, not accepting their release, so that they might obtain a better resurrection

John 15:18-19-<sup>18</sup> “If the world hates you, you know that it has hated Me before *it hated* you. <sup>19</sup> If you were of the world, the world would love its own; but because you are not of the world, but I chose you out of the world, because of this the world hates you.

## 11

Matt. 12:38-40-<sup>38</sup> Then some of the scribes and Pharisees said to Him, “Teacher, we want to see a sign from You.” <sup>39</sup> But He answered and said to them, “An evil and adulterous generation craves for a sign; and *yet* no sign will be given to it but the sign of Jonah the prophet; <sup>40</sup> for just as JONAH WAS THREE DAYS AND THREE NIGHTS IN THE BELLY OF THE SEA MONSTER, so will the Son of Man be three days and three nights in the heart of the earth.

## 12

Gen. 5:24-Enoch walked with God; and he was not, for God took him.

Heb. 11:5-By faith Enoch was taken up so that he would not see death; AND HE WAS NOT FOUND BECAUSE GOD TOOK HIM UP; for he obtained the witness that before his being taken up he was pleasing to God.

2 Kgs. 2:11-12-<sup>11</sup> As they were going along and talking, behold, *there appeared* a chariot of fire and horses of fire which separated the two of them. And Elijah went up by a whirlwind to heaven. <sup>12</sup> Elisha saw *it* and cried out, “My father, my father, the chariots of Israel and its horsemen!” And he saw Elijah no more. Then he took hold of his own clothes and tore them in two pieces.

Acts 1:9-10-<sup>9</sup> And after He had said these things, **He was lifted up while they were looking on**, and a cloud received Him out of their sight. <sup>10</sup> And as they were gazing intently into the sky while He was going, behold, two men in white clothing stood beside them.

### **13**

Rev. 6:12- I looked when He broke the sixth seal, and there was a **great earthquake**; and the sun became black as sackcloth *made* of hair, and the whole moon became like blood

Rev. 16:18-And there were flashes of lightning and sounds and peals of thunder; and there was a **great earthquake**, such as there had not been since man came to be upon the earth, so great an earthquake *was it, and* so mighty.

Prov. 1:7-The **fear of the LORD is the beginning of knowledge**; Fools despise wisdom and instruction.

Rom. 1:21-23-<sup>21</sup> For even though they knew God, they did not honor Him as God or give thanks, but they became futile in their speculations, and their foolish heart was darkened. <sup>22</sup> Professing to be wise, they became fools, <sup>23</sup> and exchanged the glory of the incorruptible God for an image in the form of corruptible man and of birds and four-footed animals and crawling creatures.

Gen. 5:24-Enoch walked with God; and he was not, for God took him.

Heb. 11:5-By faith Enoch was taken up so that he would not see death; AND HE WAS NOT FOUND BECAUSE GOD TOOK HIM UP; for

he obtained the witness that before his being taken up he was pleasing to God.

Heb. 9:27-And inasmuch as it is appointed for men to die once and after this comes judgment.

John 11:43-44-<sup>43</sup> When He had said these things, He cried out with a loud voice, "Lazarus, come forth." <sup>44</sup> The man who had died came forth, bound hand and foot with wrappings, and his face was wrapped around with a cloth. Jesus said to them, "Unbind him, and let him go."

Num. 16:35-Fire also came forth from the LORD and consumed the two hundred and fifty men who were offering the incense.

2 Kgs. 1:10-14-<sup>10</sup> Elijah replied to the captain of fifty, "If I am a man of God, let fire come down from heaven and consume you and your fifty." Then fire came down from heaven and consumed him and his fifty. <sup>11</sup> So he again sent to him another captain of fifty with his fifty. And he said to him, "O man of God, thus says the king, 'Come down quickly.'"<sup>12</sup> Elijah replied to them, "If I am a man of God, let fire come down from heaven and consume you and your fifty." Then the fire of God came down from heaven and consumed him and his fifty. <sup>13</sup> So he again sent the captain of a third fifty with his fifty. When the third captain of fifty went up, he came and bowed down on his knees before Elijah, and begged him and said to him, "O man of God, please let my life and the lives of these fifty servants of yours be precious in your sight. <sup>14</sup> Behold fire came down from heaven and consumed the first two captains of fifty with their fifties; but now let my life be precious in your sight.

Exod. 7:12-21-<sup>12</sup> For each one threw down his staff and they turned into serpents. But Aaron's staff swallowed up their

staffs. <sup>13</sup> Yet Pharaoh's heart was hardened, and he did not listen to them, as the LORD had said. <sup>14</sup> Then the LORD said to Moses, "Pharaoh's heart is stubborn; he refuses to let the people go. <sup>15</sup> Go to Pharaoh in the morning as he is going out to the water, and station yourself to meet him on the bank of the Nile; and you shall take in your hand the staff that was turned into a serpent. <sup>16</sup> You shall say to him, 'The LORD, the God of the Hebrews, sent me to you, saying, "Let My people go, that they may serve Me in the wilderness. But behold, you have not listened until now." <sup>17</sup> Thus says the LORD, "By this you shall know that I am the LORD: behold, I will strike the water that is in the Nile with the staff that is in my hand, and it will be turned to blood. <sup>18</sup> The fish that are in the Nile will die, and the Nile will become foul, and the Egyptians will find difficulty in drinking water from the Nile.'"" <sup>19</sup> Then the LORD said to Moses, "Say to Aaron, 'Take your staff and stretch out your hand over the waters of Egypt, over their rivers, over their streams, and over their pools, and over all their reservoirs of water, that they may become blood; and there will be blood throughout all the land of Egypt, both in *vessels of wood* and in *vessels of stone*.'" <sup>20</sup> So Moses and Aaron did even as the LORD had commanded. And he lifted up the staff and struck the water that *was* in the Nile, in the sight of Pharaoh and in the sight of his servants, and all the water that *was* in the Nile was turned to blood. <sup>21</sup> The fish that *were* in the Nile died, and the Nile became foul, so that the Egyptians could not drink water from the Nile. And the blood was through all the land of Egypt.

1 Kgs. 17:1-Now Elijah the Tishbite, who was of the settlers of Gilead, said to Ahab, "As the LORD, the God of Israel lives,

before whom I stand, surely there shall be neither dew nor rain these years, except by my word.”

Luke 4:25-But I say to you in truth, there were many widows in Israel in the days of **Elijah, when the sky was shut up for three years and six months, when a great famine came over all the land**

Jas. 5:17-**Elijah** was a man with a nature like ours, and **he prayed** earnestly that it would not rain, and **it did not rain on the earth for three years and six months.**

2 Kgs. 2:11-12-<sup>11</sup> As they were going along and talking, behold, *there appeared* a chariot of fire and horses of fire which separated the two of them. And Elijah went up by a whirlwind to heaven. <sup>12</sup> Elisha saw *it* and cried out, “My father, my father, the chariots of Israel and its horsemen!” And he saw Elijah no more. Then he took hold of his own clothes and tore them in two pieces.

Matt. 17:3-And behold, Moses and Elijah appeared to them, talking with Him.

Num. 20:12-But the LORD said to Moses and Aaron, “Because you have not believed Me, to treat Me as holy in the sight of the sons of Israel, therefore you shall not bring this assembly into the land which I have given them.”

2 Kgs. 2:11-12-<sup>11</sup> As they were going along and talking, behold, *there appeared* a chariot of fire and horses of fire which separated the two of them. And Elijah went up by a whirlwind to heaven. <sup>12</sup> Elisha saw *it* and cried out, “My father, my father, the chariots of Israel and its horsemen!” And he saw Elijah no more. Then he took hold of his own clothes and tore them in two pieces.”

Jonah 3:1-Now the word of the LORD came to Jonah the **second time**,

Jude 9-But **Michael the archangel, when he disputed with the devil and argued about the body of Moses**, did not dare pronounce against him a railing judgment, but said, “The Lord rebuke you!”

Mal. 4:5-6-<sup>5</sup>“Behold, I am going to send you Elijah the prophet before the coming of the great and terrible day of the LORD. <sup>6</sup>He will restore the hearts of the fathers to *their* children and the hearts of the children to their fathers, so that I will not come and smite the land with a curse.”

Luke 1:17-It is he who will go *as a forerunner* before Him **in the spirit and power of Elijah**, TO TURN THE HEARTS OF THE FATHERS BACK TO THE CHILDREN, and the disobedient to the attitude of the righteous, so as to make ready a people prepared for the Lord.

John 1:21-They asked him, “What then? Are you Elijah?” And he \*said, “I am not.” “Are you the Prophet?” And he answered, “No.”

### **Conclusion**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;

<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.